

art spiegelman

MAUS



A SURVIVOR'S TALE

I

माउस - आर्ट स्पीगिलमैन भाग-1



‘यहूदी लोग निश्चित तौर पर एक
नस्ल तो हैं, पर वो इंसान नहीं हैं।’
– अडॉल्फ हिटलर

रीगो पार्क, न्यूयार्क, सन 1958





मेरे पिता का इतिहास रक्त रंजित है

(1935 से 1944 की सर्दियों तक)

विषय सूची

- 9 एक / शेख
- 25 दो / हनीमून
- 41 तीन / युद्ध के बंदी
- 71 चार / फंदा कसता है
- 95 पांच / चूहों के बिल
- 129 छह / चूहेदानी

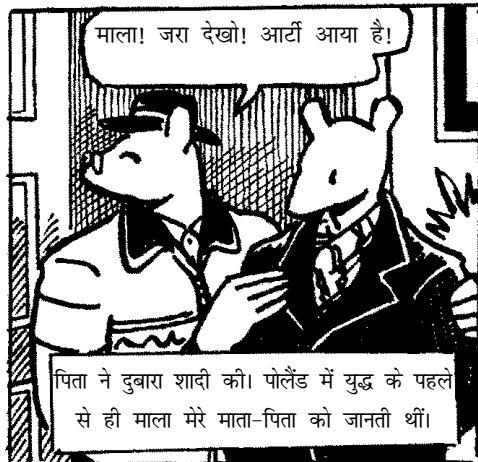


अंजा को समर्पित

अध्याय एक



मैं अपने पिता से मिलने रीगो पार्क गया। मैं उनसे कई बरसों से नहीं मिला था। हम दोनों के बीच इतनी आत्मीयता भी नहीं थी।





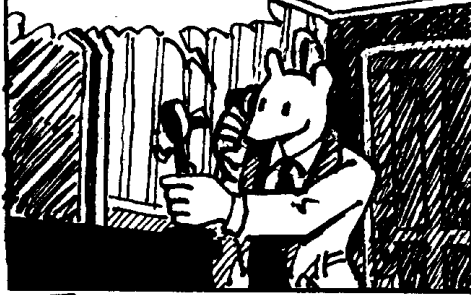
उस समय मैं नौजवान और देखने में सुंदर था।



बहुत सी लड़कियां मेरी मित्र थीं।
वो मेरा पीछा करेंगी यह मुझे पता नहीं था।



हलो व्लाडेक! मैं युलिक हूं..



मेरी एक मित्र लूसिया ग्रीनबर्ग
तुमसे मिलना चाहती हैं।



शेख

लोग कहते थे कि मैं देखने में बिल्कुल
रुडोल्फ वैलेंटीनो जैसा लगता हूं।



अंत में मैं लूसिया के साथ डांस के लिए गया...

क्या तुम अकेले रहते हो?

हां।



मेरा एक छोटा फ्लैट है। माता पिता सोस्नोविक चले गए हैं।

मैं उसे देखना
चाहूंगी।

हां, कभी।





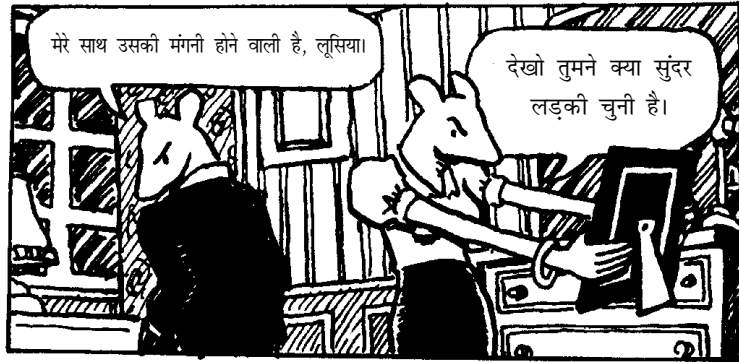


अगले दिन सुबह हम सभी लोग मिले। मेरी चचेरी बहन और अंजा ने अंग्रेजी में कुछ बातचीत की।





कोई एक हफ्ता बीता होगा। लूसिया वापिस आई और तब उसने उस फोटो को देखा...



लूसिया से खुद को छुड़ाना कोई आसान काम न था।



अंजा के मां-बाप उसकी शादी के लिए उत्सुक थे।
अंजा की उम्र 24 और मेरी 30 वर्ष की थी।



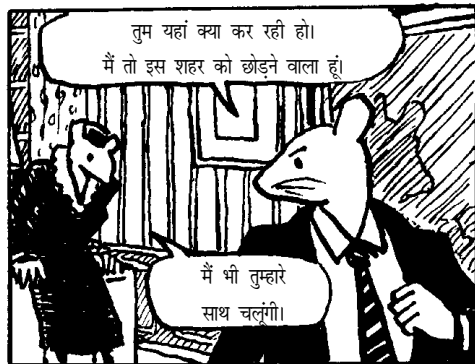
जायलबरबर्ग का बनियान (होजरी) बनाने का कारखाना पोलैंड में सबसे बड़ा था। उन्होंने मेरा किसी राजा जैसे स्वागत किया।



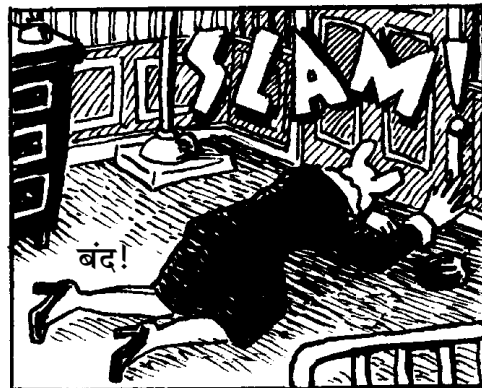
घर के काम में वो कितनी दक्ष थी यह जानने के लिए मैंने उसकी अल्मारी खोल कर देखी।



इस लंबी कहानी का संक्षिप्त अंत यह है कि 1936 में हमारी मंगनी हो गई और मैं चेस्वोचोवा से सौस्नोविक आ गया।



तब मुझे बात के बहुत आगे बढ़ने का अहसास हुआ।



मैं दौड़ कर उस दोस्त के पास गया जिसने लूसिया से मेरा परिचय
कराया था। उसने लूसिया को शांत करके उसे वापिस घर पहुंचाया।

उसके बाद से लूसिया से मेरा संपर्क
टूट गया, परन्तु अंजा से भी संपर्क
लगभग खत्म हो गया।



कोई टेलीफोन नहीं, कोई पत्र
नहीं! आखिर क्या हुआ?



लेकिन अंजा तुमसे बात नहीं
करना चाहती है!

पर क्यों?



उसे चेस्टोचोवा से किसी ने पत्र भेजा है
जो तुम्हारी बुराईयों से भरा पड़ा है!

देखिए मेरे लिए फोन पर समझाना
असंभव होगा। मैं शुक्रवार को काम
खत्म करके ट्रेन से आऊंगा।



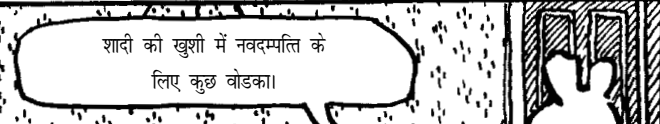
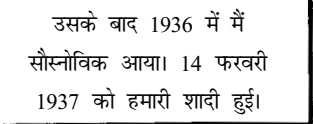
उस दिन छुट्टी नहीं थी फिर
भी मैं सौस्नोविक गया।



अच्छा, अंजा यह बताओ कि मैंने तुम्हारे
साथ क्या बदतमीजी की है?

तुम्हें पता होना चाहिए। जरा
इस चिट्ठी को पढ़ो!

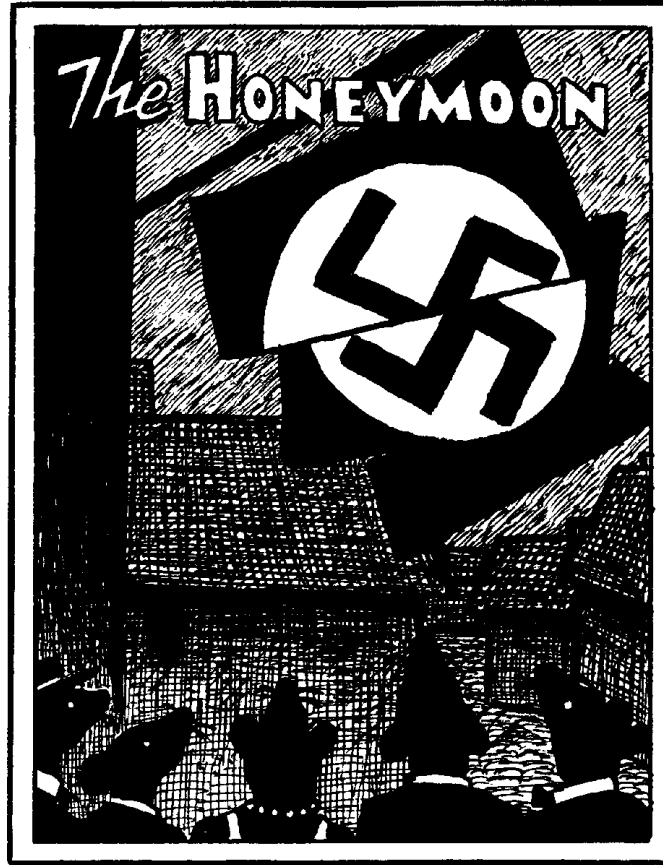






अध्याय दो

हनीमून



अगले चंद महीने मैं
अपने पिता की कहानी
सुनने लगातार उनके
पास जाता रहा।





अंजा राजद्रोह के काम में शरीक थी।

पुलिस के आने
से कुछ समय
पहले ही अंजा
के पास किसी
मित्र का फोन
आया...

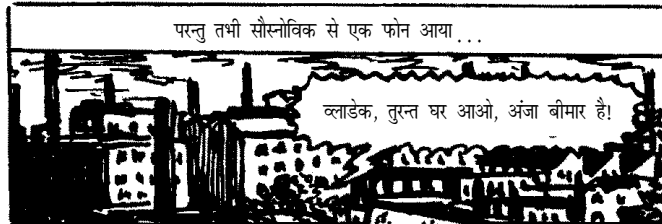




अक्टूबर 1937 में फैक्ट्री चल पड़ी। उसी समय हमारे पहले पुत्र रिचू का जन्म हुआ।



फिर अंजा अपने परिवार के साथ रहने लगी और मैं बाईलस्को में फैक्ट्री संभालता रहा। अपने और अंजा के लिए मैं एक घर भी खोज रहा था।



परन्तु तभी सौस्नोविक से एक फोन आया...

व्लाडेक, तुरन्त घर आओ, अंजा बीमार है!



मुझे देखते ही अंजा रोने लगी।

क्या हुआ प्रिय?

कुछ फर्क नहीं पड़ेगा। छोड़ो।



परन्तु तुम रो क्यों रही हो?

मालूम नहीं क्यों? मेरा अच्छा परिवार है, अच्छा पुत्र है, मुझे खुश होना चाहिए



परन्तु मुझे किसी की परवाह नहीं। मैं अब जिंदा नहीं रहना चाहती।



बेटा, यह पियो और कुछ आराम करो।

मामला क्या है? कुछ समझ में नहीं आया।



बच्चे को जन्म देने का बोझ उसके लिए मुश्किल था। वो डिप्रेस्ड रहती है जैसे ब्रेकडौन हुआ हो।

कृपा करके!



डाक्टर ने हमें एक सैनिटोरियम का पता बताया है।

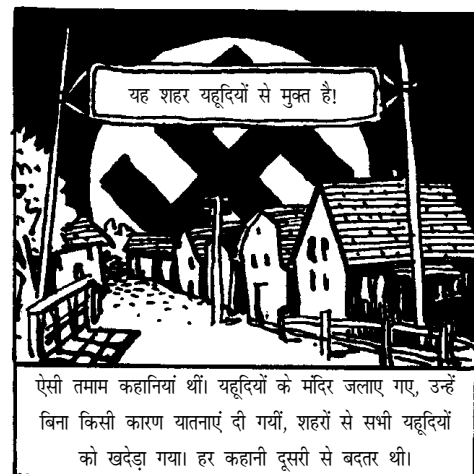
... वहां उसके साथ वो इंसान जाए जिस पर उसे विश्वास हो।

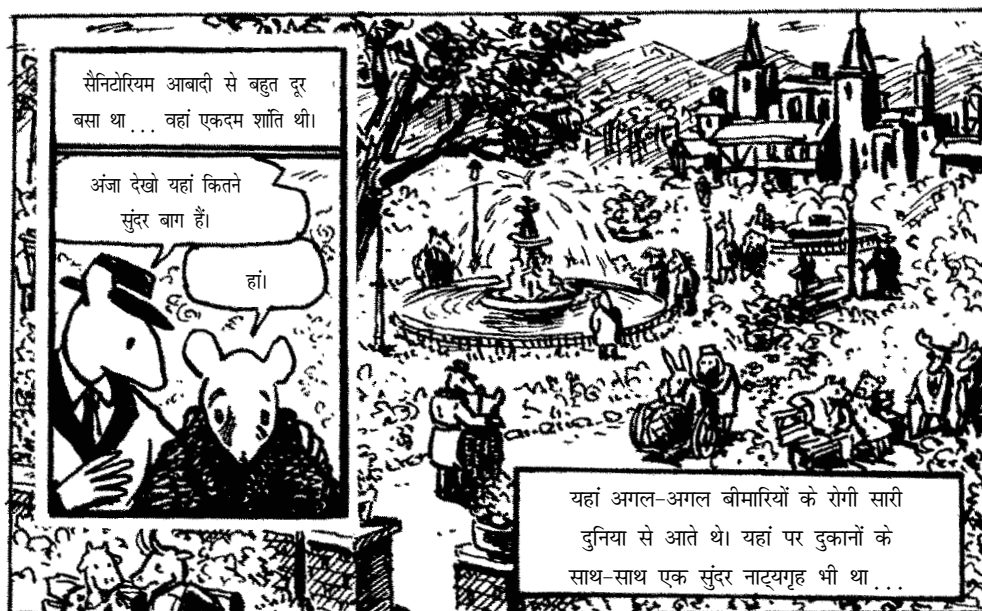


हर चीज का प्रबंध हो गया है। बच्चा यहीं पर एक नौकरानी में तुम्हारी फैक्ट्री का काम संभाल लुंगा।

सुबकी







और हर दो-चार दिनों के बाद मैं क्लीनिक के किसी विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा करता।



शाम को हम या तो
नाट्यगृह में जाते या फिर
कैफे में नाचते।



क्या मैंने तुम्हें उस हादसे के बारे में बताया - जब 1914 के युद्ध के प्रारंभ
में मेरे परिवार का तकिया खोया था? मैं तब 7 वर्ष का था। हम बार्डर के
बहुत पास रहते थे - वो
असुरक्षित इलाका था।

मैं अंजा का मन बहलाने के लिए उसे तमाम किस्से-कहानियां
सुनाया करता था...



... इसलिए हम एक घोड़ागाड़ी
पर अपना सामान लादकर मेरे दादाजी के घर रेडामस्को गए।

रास्ते में किसी ने हमें रोका और बताया कि कुछ मील
पीछे हमारा तकिया गिर गया था।
एमस्टो जाने वाले एक यात्री ने
उसे उठा लिया था।



कल्पना करो - मेरे पिता अपने जीवन में कभी घोड़े
पर सवार नहीं हुए थे। परन्तु घोड़ागाड़ी के एक घोड़े
पर वो अकेले सवार होकर एमस्टो गए।



हमने उनका बहुत देर तक इंतजार किया। अंत में मां रोने
लगीं। "वो जरूर घोड़े से गिरकर मर गए होंगे!" उन्होंने
पिता से बहुत भिन्नत की थी "तकिए को भूल जाओ। वो
हमारी बलाएं लेकर गया है।"



घोड़े की जीन तक नहीं थी। अंत में बहुत रात गए
पिता तकिए के साथ वापिस लौटे। पिता के कूल्हों से
खून बह रहा था।



पिता को उनका तकिया तो वापिस मिल गया परन्तु फिर
पूरे युद्ध के दौरान वो
बैठ नहीं सके!



मैं तुमसे प्रेम करती
हूँ ब्लाडेका।

फिर अंजा इतनी खुश हुई कि वो हँसती ही रही। वो
इतनी खुश थी कि हर बार पास आकर मुझे चूमती।

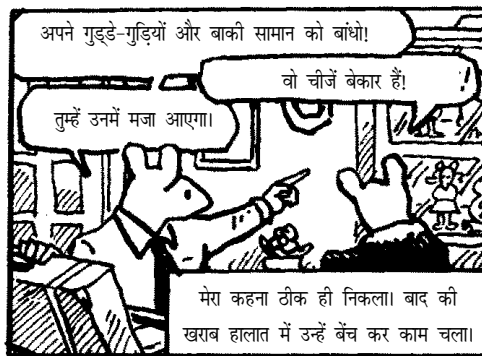






किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था।

युद्ध अब साफ नजर आ रहा था।



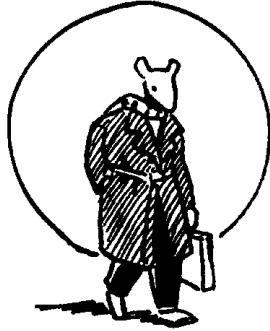




अध्याय तीन

युद्ध कैदी





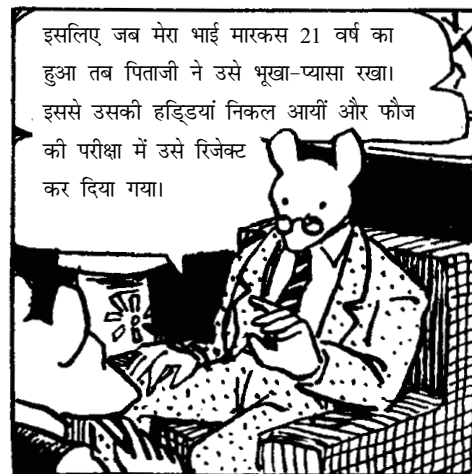
अपने पिता से उनके अतीत के बारे में और ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए मैं उनके पास जाता रहता।





1939? हमें कुछ दिनों के लिए फौजी ट्रेनिंग दी गई। फिर सितम्बर में हमें मोर्चे पर भेज दिया गया।









एक अफसर ने मुझसे कहा - थोड़ा गहरा खोदो, नहीं तो मर जाओगे।



कुछ गोलियां मेरे पास से आकर
निकलीं - सन्ना!



मैंने अपनी खाई को और गहरा किया
लेकिन गोलियां चलाना बंद कर दिया।

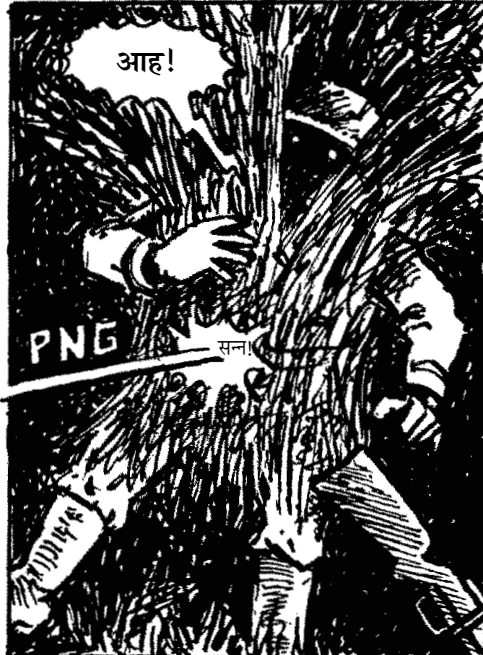


मैं किसी को क्यों मारूँ?

परन्तु जब मैंने बंदूक की दूरबीन में से देखा
तो मुझे एक चलता हुआ पेड़ नजर आया!



मुझे वो एकदम
काल्पनिक लगा। भला
कोई पेड़ कैसे दौड़
सकता है?



आह!

PNG

सन्ना!

परन्तु क्योंकि वो चल रहा था इसलिए मुझे
उसपर गोली चलानी पड़ी!



उसे चोट लगी थी। उसने आत्मसमर्पण करने के लिए अपने हाथ उठाए। परन्तु मैं गोलियां दागता ही
रहा। अंत में पेड़ ने चलना बंद कर दिया। किसे पता, वो आदमी मुझे मार भी सकता था।

दो घंटे की लड़ाई के बाद नात्सी फौज
नदी पार कर हमारी ओर आयी।

उठो!



अपनी बंदूक मुझे दो!



बंदूक गर्म है! तुम हम पर गोलियां चला रहे थे!



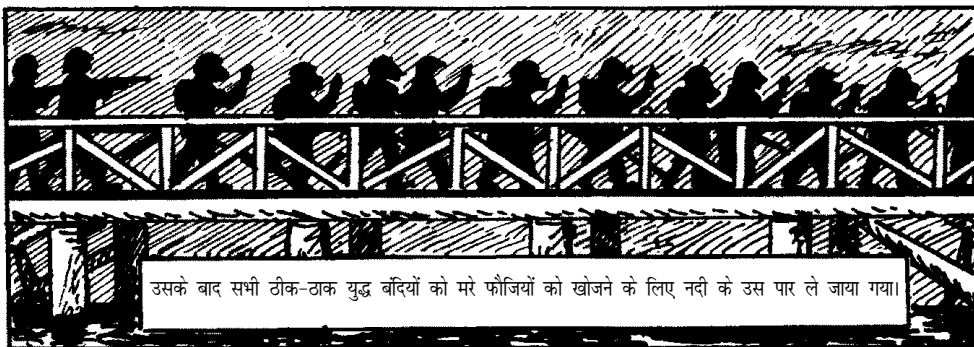
मेरे कमांडर ने गोलियां चलाने का हुक्म दिया था।
मैंने केवल हवा में गोलियां चलायीं।



मैंने उन्हें जर्मन में जवाब दिया।
तब उन्होंने मुझे मारना बंद किया।



वो मुझे एक स्थान पर ले गए जहां
मेरे जैसे अन्य युद्ध बंदी भी थे।



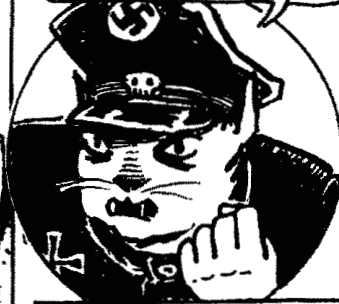
उसके बाद सभी ठीक-ठाक युद्ध बंदियों को मेरे फौजियों को खोजने के लिए नदी के उस पार ले जाया गया।



वे लोग हमें न्यूरेमबर्ग के पास ले गए। वहां बहुत से युद्ध बंदी थे। वहां पर सभी यहूदियों को अलग खड़ा किया गया।



हमें यहीं पर तुम्हें फांसी पर चढ़ा देना चाहिए!



हम में से किसी ने चूँ तक नहीं की।

अपनी सारी कीमती चीजें नीचे डालो!



फिर वो मेरे पास आया ... मेरे पास 300 ज्योलोट (पोलिश रुपए) थे।

यहूदी, इतने पैसे कहाँ से आए?



बाकी के पास 5-6 ज्योलोट ही थे।

क्या तुम यहां पर भी कुछ धंथा चलाना चाहते हो? मुझे अपने हाथ दिखाओ!



तुमने जीवन में एक दिन भी काम नहीं किया है!



आर्टी तुम्हारी तरह ही मेरे हाथ भी बहुत नाजुक थे।



यहूदी तुम फिक्र न करो। हम तुम्हारे लिए काम खोज देंगे!



उन्होंने ऐसा किया भी।

एक दूसरा जर्मन हम में से 4-5 को अस्तबल में ले गया।



हमने बहुत मेहनत करी। परन्तु एक घंटे बाद...



हमने जी-तोड़ मेहनत करके डेढ़ घंटे में काम खत्म किया।
तुम यह क्या कर रहे हो आर्टी?



तुम कालीन पर सिगरेट की राख गिरा रहे हो।
तुम क्या इसे एक अस्तबल बनाना चाहते हो?



उसे साफ़ करो। नहीं तो मुझे खुद
करना होगा। माला हफ्ते भर उसे
हाथ तक नहीं लगाएगी।



उसे यह भी पता है कि बीमार होने के कारण ऐसे
काम मेरे लिए कर पाना मुश्किल हैं।





ठंड से बचने के लिए हमारे पास गर्मी की पोशाक और सिर्फ एक कम्बल था।



बहुत से लोगों को ठंड (फ्रास्ट-बाइट) से जख्म हो गए थे। जख्मों में पस भर गया था जिसमें जूएं हो गई थीं।

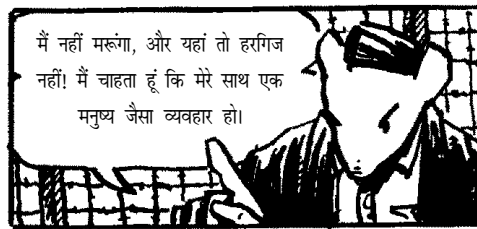
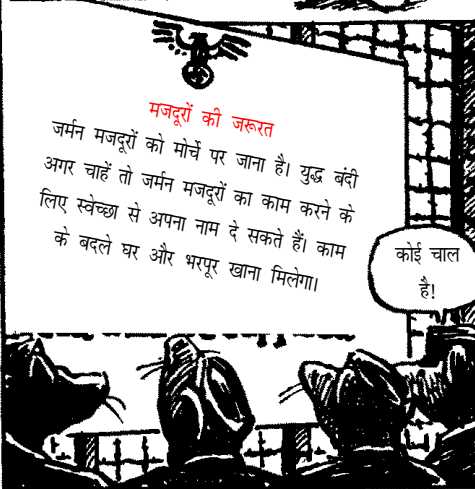
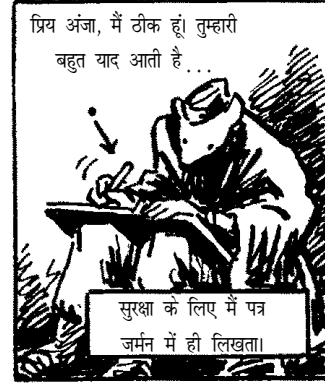
मैं हर रोज नहाता और ताकत के लिए वर्जिश करता। हम रोजना प्रार्थना करते।

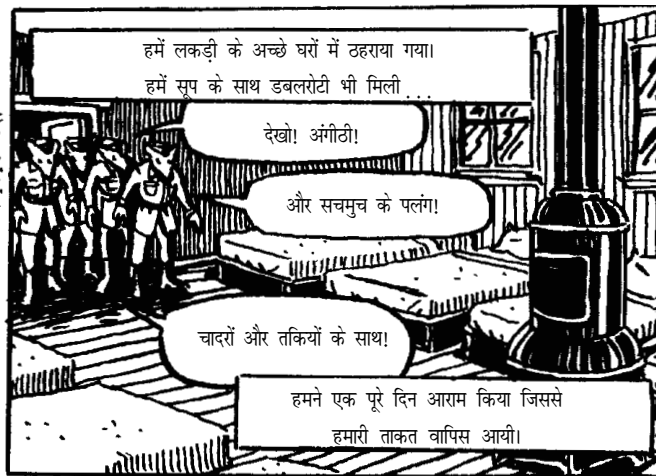
समय बिताने और दिमाग को व्यस्त रखने के लिए हम अक्सर शतरंज खेलते।

हफ्ते में एक दिन हम अंतर्राष्ट्रीय रेड-क्रॉस की माफत पत्र भेज सकते थे।

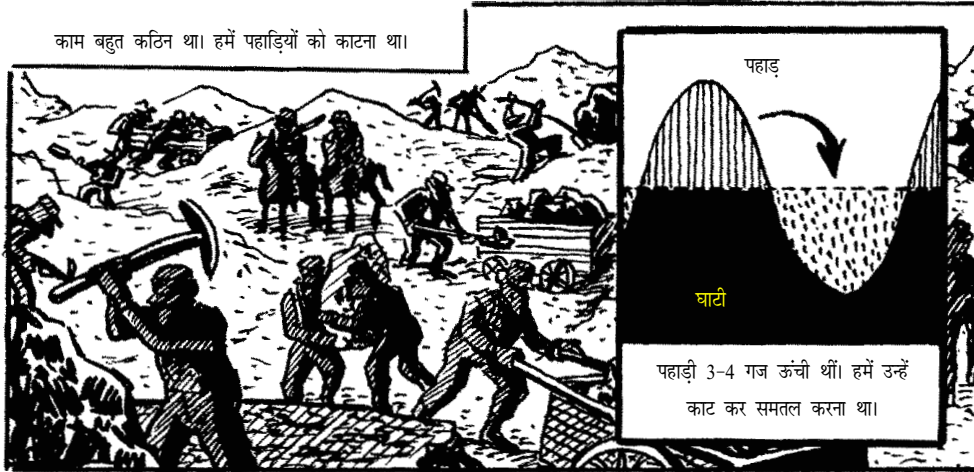


पत्रों के जरिए मुझे एक पार्सल मिला ...





काम बहुत कठिन था। हमें पहाड़ियों को काटना था।



कुछ बूढ़े और कमजोर लोगों ने इस काम के खिलाफ शिकायत भी की।



अब मुझसे और नहीं होगा।



निकम्मा यहूदी!



अगर तुम यहां नाखुश हो तो युद्ध बंदियों के कैम्प में वापिस जाओ।



ठीक है! जब कोई नहीं होगा तब हम मदद करेंगे।

हमने मदद की कोशिश पर कुछ लाभ नहीं हुआ। कुछ लोग भूखे मरने और ठिठुरने के लिए तम्बुओं में वापिस चले गए।

उनका अंत में क्या हुआ यह मुझे पता नहीं।

लेकिन 80 प्रतिशत लोग वहीं रहे। क्योंकि वहां भरपूर खाने के साथ-साथ गर्म पलंग भी उपलब्ध था। वहां रहना कहीं बेहतर था।



दिन भर थककर मैं गहरी नींद सोता था। एक रात मुझे सपना आया :

एक आवाज मुझसे कुछ कह रही थी। वो
शायद मेरे मृत परदादा की आवाज थी...



“फिक्र मत करो।”



“फिक्र मत करो मेरे बच्चे।”

वो आवाज मुझे एकदम असली मालूम पड़ती थी...



“परशास टूमा वाले दिन तुम
यहां से मुक्त हो जाओगे।”

मेरी आंख तुरन्त खुल गयी। जब मुझे दुबारा नींद आयी तो बस,
“परशास टूमा, परशास टूमा” ही मेरे दिमाग में गूँजता रहा।



यह परशास टूमा क्या
बला है?

हर हफ्ते शनिवार वाले दिन
हम परशास टूमा पढ़ते।

परशास का मतलब हफ्ता इसलिए 52 हफ्तों को
मिलकर बना परशास टूमा!



पर काम शुरू करने से पहले कुछ
लोग प्रार्थना करते। हमारे बीच में एक
रैबाई (यहूदी धर्मगुरु) भी थे।

रैबाई, हम “परशास टूमा”
कब पढ़ेंगे?

परशास टूमा?



फरवरी के मध्य में - अब से
करीब तीन महीने बाद। क्यों?

तीन माह और - हमारे लिए तो
हर दिन एक साल जैसा था।



मैंने उन्हें अपने सपने के बारे में बताया...

आशा करो कि सपना सच निकले। मुझे
लगता है कि यहां से कभी भी नहीं छूटेंगे।



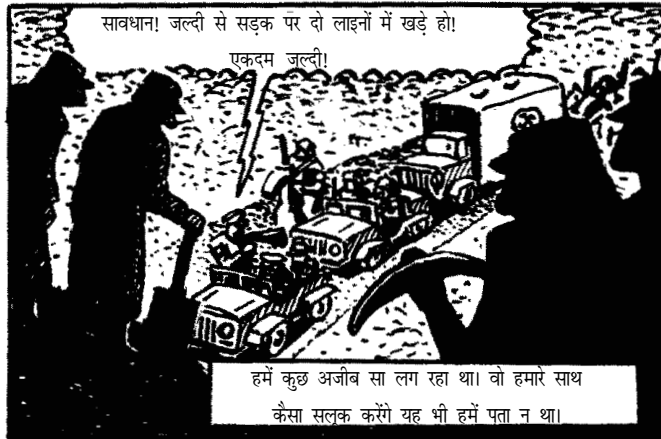
हम दिन-रात खटते रहे।
हफ्ते और महीने बीते और
हम किसी तरह ज़िंदा रहे।

एक दिन...

जर्मन खुफिया पुलिस (जेस्ट्रोपो) के बहुत से सिपाही आए।



देखो सिपाहियों को!



सावधान! जल्दी से सड़क पर दो लाइनों में खड़े हो!

एकदम जल्दी!

हमें कुछ अजीब सा लग रहा था। वो हमारे साथ
कैसा सलुक करेंगे यह भी हमें पता न था।

मैं हमेशा की तरह ही दूसरी लाइन में खड़ा हुआ।



(क्यों ब्लाडेक)

मैं नहीं चाहता कि वे मुझे अच्छी तरह देख पाएं।

तभी कोई मेरे पास आकर खड़ा हुआ।



रैबाई!

तुम्हें पता है कि आज
कौन सा दिन है?



शनिवार, क्यों?

पर इस शनिवार को
कौन सा त्यौहार है?



परशास टूमा!



रास्ते भर मैं रैबार्ड के साथ बैठा रहा।



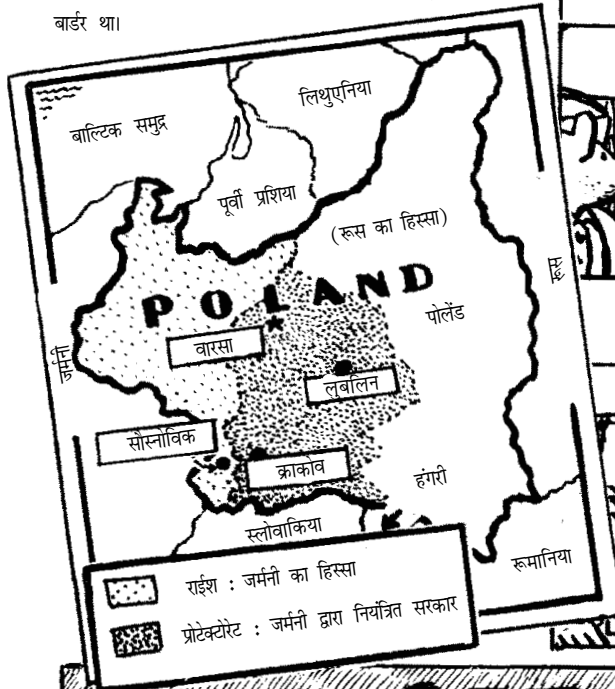
मेरे बच्चे, लगता है तुम्हें भविष्य में क्या होने वाला है उसका पहले से ही आभास हो जाता है।



लगता है कि यह ट्रेन सौस्नोविक से होकर गुजर रही है!

जब ट्रेन वहां नहीं रुकी तो मुझे काफी फिक्र होने लगी।

देखो, नात्सियों ने पोलैंड को कई टुकड़ों में बांट दिया था: प्रोटेक्टोरेट और राईश, और उन दोनों के बीच में एक सुरक्षित बार्डर था।



ट्रेन पोलैंड के मेरे वाले हिस्से - राईश को छोड़कर सीधे प्रोटेक्टोरेट वाले भाग में जाकर रुकी।

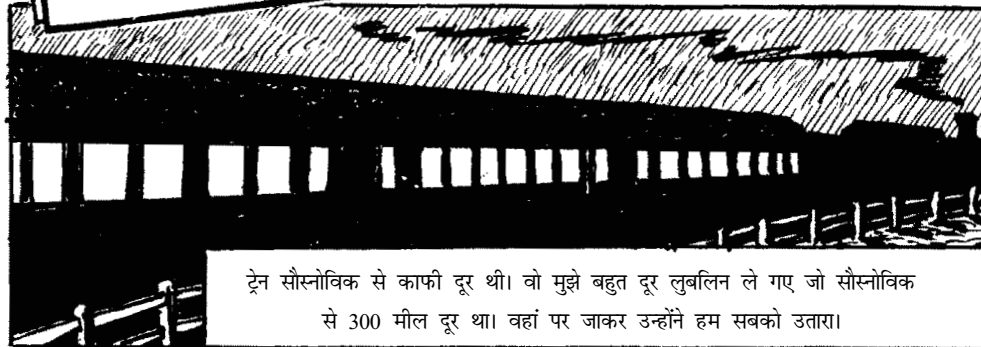
जिनके पास क्राकोव के कागज हों वे बाहर आएंगे!

जब ट्रेन वारसा में रुकी तो वहां रैबार्ड उतर गए।

मैं तुम्हें पत्र लिखूंगा।



पर मुझे उनकी फिर कोई खबर नहीं मिली। वारसा की इतनी दुर्दशा हुई कि वहां कोई भी जिंदा नहीं बचा।



ट्रेन सौस्नोविक से काफी दूर थी। वो मुझे बहुत दूर लुबलिन ले गए जो सौस्नोविक से 300 मील दूर था। वहां पर जाकर उन्होंने हम सबको उतारा।

लुबलिन में वे हमें बड़े तम्बुओं में ले गए।



अंत में यहूदी प्रशासन के कुछ लोग वहां हम से मिलने आए...



हम लोगों का अगला नंबर था!



मैं बहुत भयभीत था।

फिर हमने जो सुना उससे कुछ उम्मीद जगी...

हमने जर्मन सिपाहियों को रिश्वत दी है जिससे कि वो बंदियों को छोड़ दें। स्थानीय यहूदी बंदियों को अपना रिश्तेदार बताएंगे।

मेरा नाम स्पीगिलमैन है। मेरे परिवार का एक मित्र है।
उसका नाम ओरबाच है। फौज की ट्रेनिंग के दौरान मैं
उससे मिला था।

ठीक है! हम तुम्हें उसके रिश्तेदार जैसे दर्ज
करेंगे।

उस रात मैं तम्बू के बाहर गया।

मुझे पेशाब करना था।

मैं जल्दी से अंदर भागा!

सारी रात मैं अपने भविष्य के बारे में सोचता रहा।

तभी गार्ड ने मुझ पर गोलियां चलायीं।

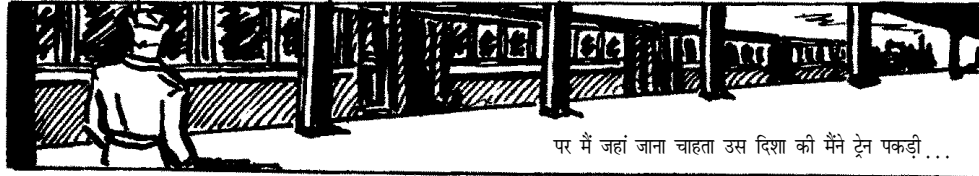
जैसे ही सुबह हुई...



ओबराच मेरे चाचा के दोस्त थे। उनकी दो सुंदर बेटियाँ थीं, जो लगभग मेरी उम्र की थीं।



उस समय भी प्रोटेक्टोरेट और राईश के बीच ट्रेने चल रही थीं।
पर उनमें सवारी के लिए कानूनी कागज जरूरी थे - जो मेरे पास नहीं थे...



पर मैं जहां जाना चाहता उस दिशा की मैंने ट्रेन पकड़ी...



मैं ट्रेन के एक अफसर के पास गया।
वो पोलिश था।

मैं आपसे कुछ पूछ सकता हूं?

जरूर सैनिक!

मेरे पास फौजी वर्दी थी। मैंने उसे
यह नहीं बताया कि मैं यहूदी हूं।

आप मुझे जैसे ही पोलिश हैं इसलिए मुझे आप पर यकीन है। इन
हरामी नात्सियों ने मुझे युद्ध बंदी बनाया और मैं अभी छूटा हूं।

पोलिश, जर्मन लोगों से घृणा करते थे। इसलिए उनके खिलाफ बोलना ठीक था।



मैं सौस्नोविक में अपने परिवार
के पास जाने की कोशिश में हूं।

फिक्र मत करो! बार्डर
के पास तुम इस जगह
छिप जाना।



इस प्रकार उस ट्रेन अफसर की सहायता से मैं
पोलैंड में अपने घर के पास आया।



पहले मैं अपने माता-पिता के घर गया...



देखो गोवाल्ड,
व्लाडेक आया है!

... मुझे लगा वहां कोई नहीं होगा।



नियम के अनुसार 7 बजे से पहले सभी यहूदियों को अपने घर की लाईट बंद करना जरूरी था।



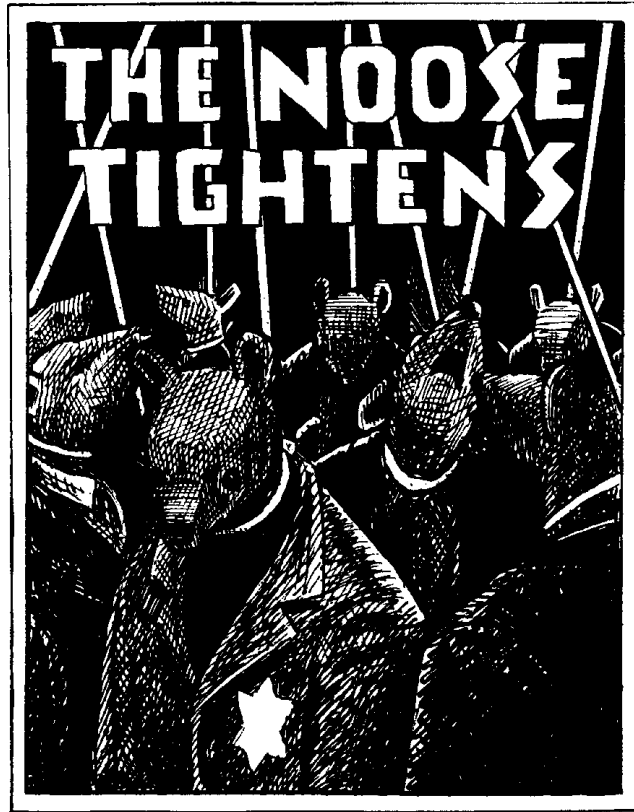






अध्याय चार

फंदा कसता है







मैं अपनी ससुराल में रह रहा था। वहाँ कुल मिलाकर 12 लोग थे।



मैं और अंजा और हमारा पुत्र रिचू...



अंजा की बड़ी बहन तोशा, उसका पति वोल्फ, और उनकी छोटी बच्ची बीबी...



साथ अंजा के दादा-दादी। वो 90 वर्ष के बावजूद काफी चुस्त थे...



साथ में मेरे सास-ससुर थे...



फिर चाचा हरमन और चाची हेलन के दो बच्चे लोलेक और लोनिया भी थे।







अगले दिन मैं मोडरेजोव्सका गली में गया। वहां लोग अभी भी कुछ गैरकानूनी धंधों द्वारा कमाई करते थे।



फिर मैं उन दुकानों पर गया जिनके पास युद्ध से पहले मेरी उधारी थी।



नोट में लिखा था कि मैं उसके साथ काम करता हूँ। इसलिए नोट बहुत उपयोगी था।



मेरे ससुर मुझसे बहुत खुश थे।



कुछ दिनों बाद मैं दुबारा मोडरेजोव्सका गया। मैं कूपनों के बिना कपड़ा खरीदने की कोशिश की।



तभी जर्मन पुलिस ने सड़क पर नाकाबंदी कर लोगों के कागजातों की जांच शुरू कर दी।

मुझे इसकी पूर्व जानकारी न थी।



मैं किसी तरह एक इमारत में घुस गया।



परन्तु पुलिस लगभग 50 प्रतिशत लोगों को पकड़ कर ले गई।



इसके बारे में मैंने अपने ससुर से बात की।

पुलिस ने मुझे पकड़ा था। मुझे इलजैकी के नोट के अलावा मुझे किसी अन्य सुरक्षित चीज की जरूरत पड़ेगी!

यह सच है।



चलो, मेरे एक मित्र के पास जिसकी टिन की दुकान है। शायद उसके ओवरसीयर को रिश्तत देना संभव हो।



यह ठीक रहा।

अच्छा ब्लाडेक, क्योंकि हम जर्मनी के लिए चीजें बनाते हैं इसलिए हम तुम्हारे लिए एक वर्क-परमिट बनवा देंगे।



याद रखो, तलाशी के समय यहां दौड़कर आना और किसी काम करने का नाटक रचना।



यहां मैंने कुछ ऐसी चीजें सीखीं जो बाद में औशविग में मेरे बहुत काम आयीं।



वोल्फ और मैंने ज्यादातर चीजें एक पोलिश पड़ोसी के घर में छिपा दीं।



मेरे ससुर के एक दोस्त रोज उनके साथ ताश खेलने आते थे।



मेरे ससुर के शयनकक्ष में सुंदर फर्नीचर था।



अंजा की मां के पेट में पथरी थी। इसलिए जर्मन पुलिस के आने वाले दिन वो पलंग पर ही लेटी रहीं।



छिपा हुआ फर्नीचर हमारे किसी काम का न था।

उसे बेचने के लिए हम दुबारा ऊपर ले आए।





1941 में एक दिन मैं इलजैकी से मिलने गया। उसका घर स्टेशन के बहुत पास था।

वहां एक भयानक दंगा भड़का हुआ था।



वहां पर यहूदियों को पकड़ा जा रहा था -
उनके पास सही कागज हों या नहीं।

मैं भला क्या करता?

अगर मैं धीमे चलता तो वो मुझे गिरफ्तार करते।



अगर मैं तेज भागता तो गोली मार देते!

फिर मुझे दूर से इलजैकी दिखाई दिया और
मैं लपक के उसके पास पहुंचा।



अरे! मिस्टर स्पीगलमैन आप यहां क्या कर रहे हैं? आपको दिख नहीं रहा कि यहां क्या हो रहा है।



जल्दी से मेरे साथ ऊपर चलें और
ट्रेन छूटने तक वहीं रहें।

इलजैकी एक आलाशान घर में रहता था।
वो वहां एकमात्र यहूदी था।



मैं इलजैकी और
उसकी पत्नी के साथ
घंटों बैठा रहा। नीचे
चीखने-चिल्लाने की
आवाजें आती रहीं।

उसकी वजह से उस दिन
मेरी जान बची।

इलजैकी का लड़का भी रिचू के बराबर का था।
दोनों का खेल देखने लायक था।



हमारा क्या हाल होगा यह पता नहीं, परन्तु हमें अपने बच्चों को सुरक्षित रखना चाहिए।



हालात ठीक होने तक एक पोलिश मित्र मेरे लड़के को छिपाने को तैयार है।



वो तुम्हारे लड़के को भी ले लेगा।

तुम ठीक कहते हो। मैं अपने परिवार से बात करता हूँ।



परन्तु जब मैंने अपने परिवार में इसका जिक्र किया तो सब लोग मुझ पर बरस पड़े।

क्या तुम पागल हो गए हो?

तुम रिचू को किसी अजनबी को देने की बात सोच भी कैसे सकते हो?



मैं अपने बेटे को कभी नहीं दूंगी!

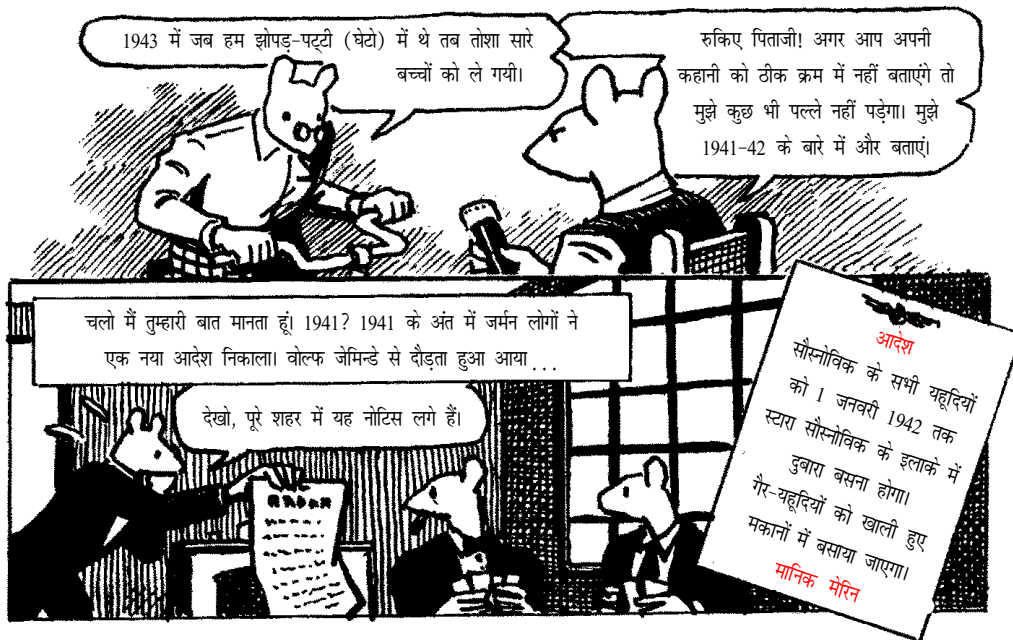


इलजैकी और उसकी पत्नी युद्ध से जिंदा वापिस नहीं लौटे।

परन्तु उनका पुत्र जीवित रहा, हमारा नहीं।

... एक साल बाद हमें रिचू को कहीं और छिपाना ही पड़ा।





इससे हम 12 लोग अब ढाई छोटे कमरों में रहने को मजबूर हुए...

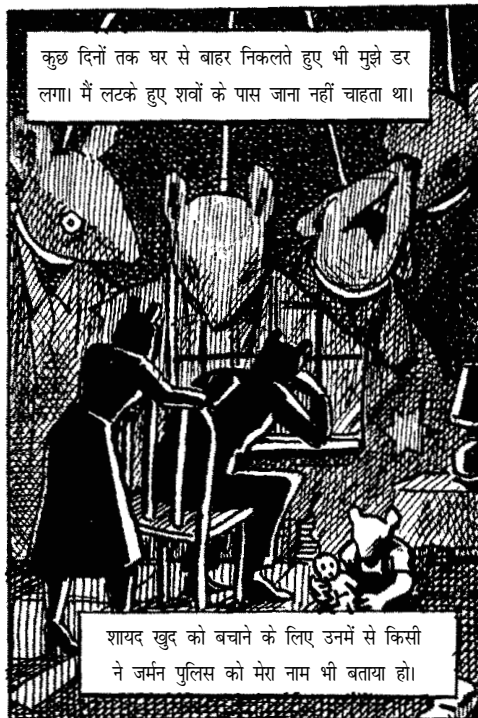


परन्तु यह असली झोपड़-पट्टी (घेठो) नहीं थी। अगर आप रात तक घर वापिस आएँ तो आप शहर के अन्य हिस्सों में घूम-फिर सकते थे।



कुछ महीनों तक मैं यहां भी ब्लैक मार्केट का कुछ धंधा करता रहा।
फिर बहुत बुरी खबर आयी, बहुत ही बुरी...







मैं शिजक्लैराजिक से मिला। मोडरेजोव्सका मैं उसकी किराने की दुकान थी।

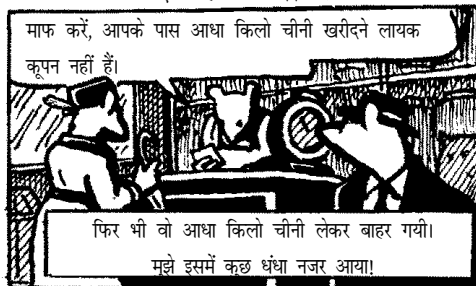


हम लोगों ने बैठकर बात की।

फिर हमने कुछ और बातचीत की।

वो कभी-कभी एक ग्राहक की मदद करता था।

अंत में उसने एक प्रस्ताव रखा...



जब आदमी भूखा होता है तभी वो कोई धंधा ढूँढता है...

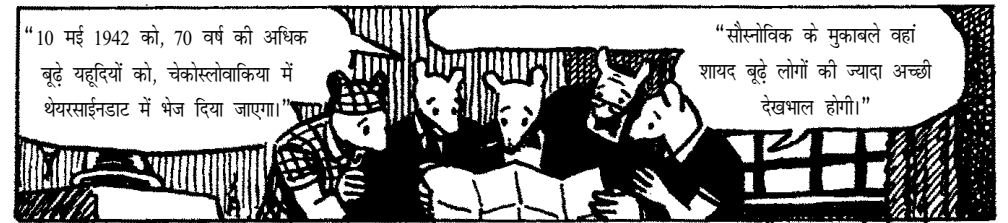
एक बार मुझे 10-15 किलो चीनी सप्लाई करनी थी।

मैं आखिर क्या जवाब देता? इस जुर्म के लिए मुझे फांसी दी जा सकती थी।





और फिर जर्मन लोगों की ओर से कुछ नया हुआ। हमें एक नोटिस मिला...



यहूदी पुलिस कई बार हमारे घर के अंदर आयी...

रिकार्ड के अनुसार कारमियो दम्पति यहां रहते हैं।
उन्होंने तबादले के लिए अभी तक अपना नाम दर्ज नहीं कराया है।

वो मेरी पत्नी के माता-पिता थे।
एक माह पहले वो बिना कुछ बताए यहां से चले गए।

यहूदी पुलिस?

हां, लम्बे बेंत के साथ।

कुछ यहूदियों ने सोचा कि जर्मन लोगों को कुछ बूढ़े यहूदी देकर वो बाकी को बचा पाएंगे।

कम-से-कम वो खुद को तो बचा पाएंगे।

एक महीने बाद वो फिर मेरे ससुर के पास आए।

मिस्टर जाइलबरबर्ग आप पत्नी के संग हमारे साथ चलें।

अगर कारमियो दम्पति तीन दिनों में वापिस नहीं आए तो आपको उनके स्थान पर भेजा जाएगा!

जेमिन्डे के कारण हमें अभी भी कुछ सुरक्षा मिली हुई थी।
इसलिए पुलिस सास को छोड़कर केवल ससुर को ले गयी।

कुछ दिनों के बाद ससुर ने हमें एक नोट भेजा।

उन्होंने लिखा कि हमें दादा-दादी को सौपना ही होगा। नहीं तो पुलिस पहले उन्हें, फिर उनकी पत्नी को और धीरे-धीरे करके पूरे परिवार को ही दबोच लेगी।

फिर क्या हुआ?

होता क्या? हमें दादा-दादी को सौपना पड़ा!

उन्हें लगा जैसे वो थेयरसाईनडाट जा रहे हों।

अगर किसी चीज की जरूरत पड़े तो हमें लिखें!

परन्तु उन्हें सीधे औशविग में गैस की भट्टियों में झोंक दिया गया।



दादा-दादी के हादसे के बाद कुछ महीने शांत बीते। फिर सभी जगह पोस्टर लगने लगे और जेमिन्डे के भाषण होने लगे...



मेरे पिता 62 वर्ष के थे। वो बस द्वारा डोब्रा से आए।
यह गांव सौस्नोविक से लगा हुआ था।

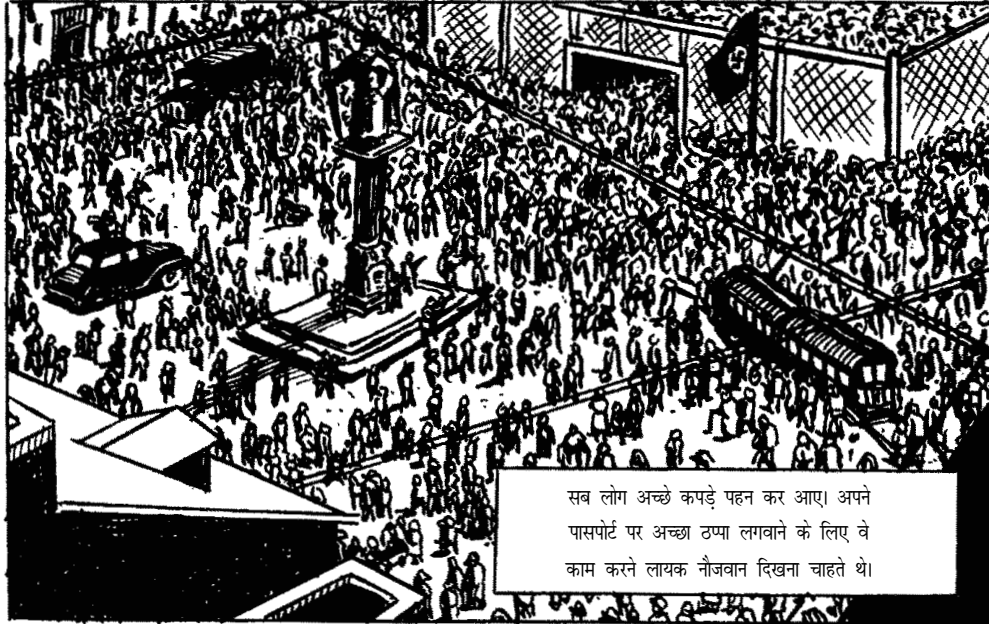


मेरी मां की कैंसर से मृत्यु हो जाने के बाद मेरे पिताजी मेरी
बहन फेला और उसके चार छोटे बच्चों के साथ रहते थे।



अंत में वो गए। लोग वहां जाने से डर रहे थे।

उस दिन सौस्नोविक और आसपास के गांवों के लगभग सभी यहूदी
स्टेडियम में एकत्रित हुए। उनकी संख्या 25-30 हजार होगी।



सब लोग अच्छे कपड़े पहन कर आए। अपने पासपोर्ट पर अच्छा ठप्पा लगवाने के लिए वे काम करने लायक नौजवान दिखना चाहते थे।

हमारे घुसने के बाद जेस्टोपो ने स्टेडियम को चारों ओर से मशीनगनों से घेर लिया।

फिर चयन हुआ जिसमें कुछ को बाएं और कुछ लोगों को दायीं ओर भेज दिया गया।



पंजीकरण के लिए अपने परिवार के साथ मेजों के सामने जल्दी खड़े हों!



बूढ़े लोग, अधिक बच्चों वाले परिवार, बिना वर्क-परमिट वाले लोगों को बायीं ओर भेजा गया!

हमें लगा उन लोगों से साथ बहुत अन्याय होगा।

मैं और अंजा उस मेज पर गए जहाँ मेरा चचेरा भाई बैठा था।



अच्छा तुम बड़ई वाली दुकान में काम करते हो। चलो, दाएं जाओ।

हम लोग अपने पासपोर्ट पर ठप्पा लगवाकर स्टेडियम की अच्छी ओर आए। बायीं ओर जाने वाले लोगों को कोई ठप्पा नहीं मिला।

ठप्पा लगवाने के बाद हमलोग खुश थे। क्या हमारे परिवार सुरक्षित हैं, यह सोच कर दुखी थे।



बाद में मुझे किसी ने बताया कि वो भी मेरे रिश्तेदार की सहायता से अच्छी तरह पहुंच गए थे।

उन्होंने उसे बायीं ओर भेज दिया।
चार बच्चे बहुत अधिक थे।



और फिर क्या हुआ? पिताजी जल्दी से बुरी ओर कूद गए!



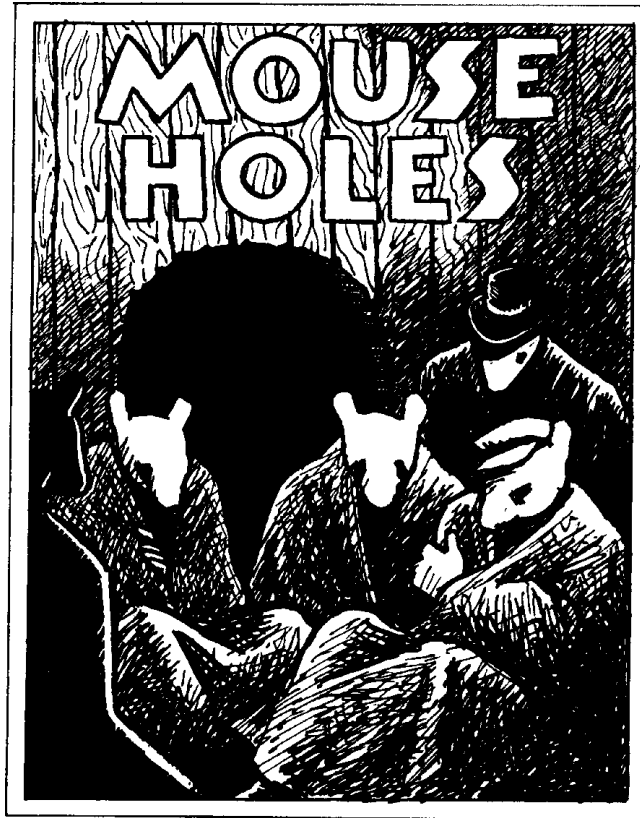
जिनके पासपोर्ट पर ठप्पा लगा था उन्हें घर जाने दिया गया।
परन्तु अब सौसोविक में बहुत कम ही यहूदी बचे थे...

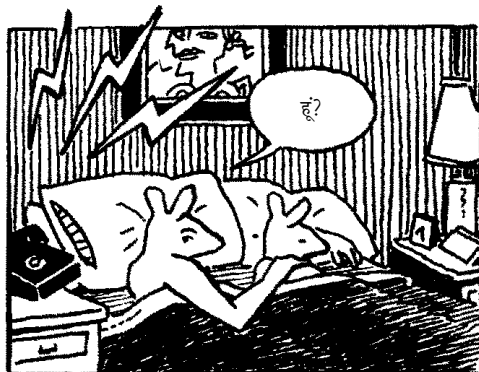




अध्याय पांच

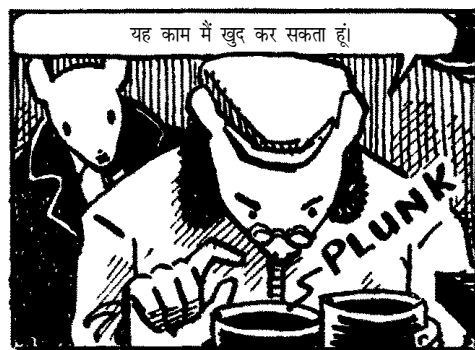
चूहों के बिल





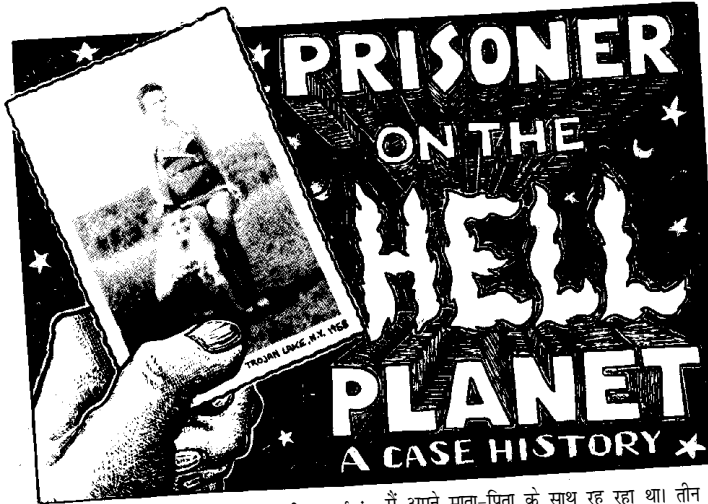


लगभग एक सप्ताह बाद, दोपहर से पहले ..





नरक ग्रह के कैदी - केस हिस्ट्री



1968 में मां ने खुदकशी की। मैं 20 वर्ष का था।

काम से लौटने पर पिताजी ने उन्हें पाया। उनकी कलाईयां कटी थीं और एक गोलिएं की शीशी पास में पड़ी थी।

मैं अपने माता-पिता के साथ रह रहा था। तीन महीने पहले ही मैं पागलखाने से छूटा था।

मैं अपनी गर्लफ्रेंड इसाबेला के साथ सप्ताह अंत गुजारा जो माता-पिता को नापसंद था। मैं घर देरी से पहुंचा।



हे भगवान!



अगर मैं सही समय पर घर पहुंचता तो भी मुझे मां की लाश मिलती।



भोड़ को देखकर मुझे डर लगा। मुझे बड़े हादसे की आशंका हुई। परन्तु मुझे अभी उसकी जानकारी न थी।

मेरा चचेरा भाई मुझे वहां से हटाकर ले गया।

डाक्टर आरेस्स पास ही में रहते थे...

तुम्हारी मां ने आत्महत्या कर ली -

चलो, डाक्टर के पास चलो। तुम्हारी मां बहुत बीमार हैं! डाक्टर बताएंगे...

आर्थर बैठो। मैं तुम्हें सच्चाई बताता हूँ...

वो मर चुकी हैं!



मेरे लिए अब सच्चाई से बचना मुश्किल था। डाक्टर के शब्द मेरे अंदर गूँजते रहे।

मेरे आँसु तो नहीं निकल रहे थे। पर मुझे लगा कि मुझे रोना चाहिए!



सुनो बेटा!

उसे रोने दो। उसके लिए रोना अच्छा है!

हम घर पहुँचे। पिता काफी दुखी और परेशान थे!...

मैंने सोचा पिता को दिलासा दूँ।

किसी तरह जनाजे की तैयारियाँ हुईं...



मां... मां...

950 डालर में कांस का ताबूत मिला। 2000 डालर में हमें...

आटी! इतना बड़ा हादसा! कोई संदेश भी नहीं!!!

मूल की सुरक्षा करो

PROTECT WHAT YOU HAVE

रात खराब बीती। मुझे यहूदी पद्धति के अनुसार जमीन पर सोना पड़ा। पिता सारी रात कराहते रहे। मैं काफी बेचैन था। हम भयभीत थे।



अगले दिन जनाजे के समय घर की हालत और खराब थी।



पिताजी ने प्रार्थना की और संयम बरतने की कोशिश की। मैंने अपनी मां की याद में - **द डिबिटियन बुक ऑफ द डेड** नामक पुस्तक से कुछ अंश पढ़े।



एक पारिवारिक मित्र ने मुझे कमरे में बैठा हुआ पाया।



मेरा जी मचलने लगा... अपराधिक भावना असहनीय हो गई।



हमने अगले हफ्ते मातम किया।
मेरे पिता के मित्रों ने सहानुभूतियों के
साथ-साथ दुश्मनी के पैगाम भी दिए।



मैं अपने विचारों में अकेले
ही खोया रहा...



उनसे आखिरी मुलाकात मुझे याद है...



वो देर रात मेरे कमरे में आई...



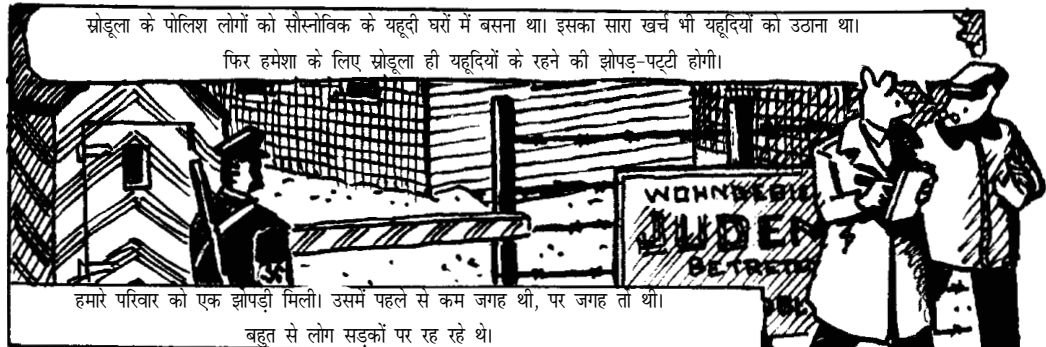
उसने नार को इतने कसा कि मैं घबरा गया...



हां मां, अगर आप सुन रही हों तो...









... वो हर रात हमें लैफ्ट-राईट कराते हुए वापिस लाते और फिर बंद कर देते।

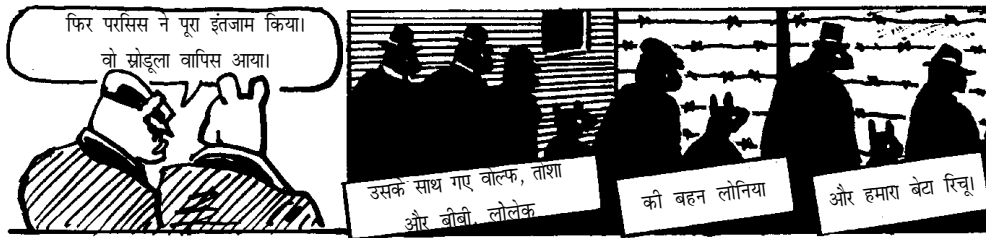




नब्बे! यह 1943 की बात है! तब 90 साल का और कोई यहूदी जिंदा नहीं बचा था!

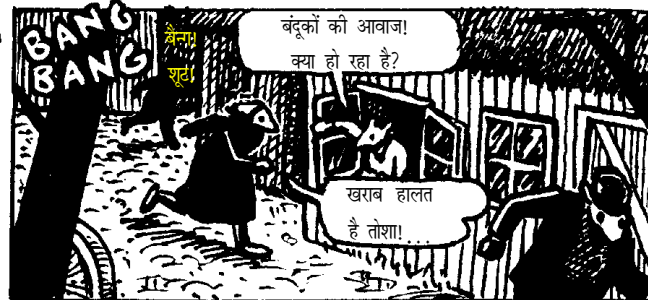


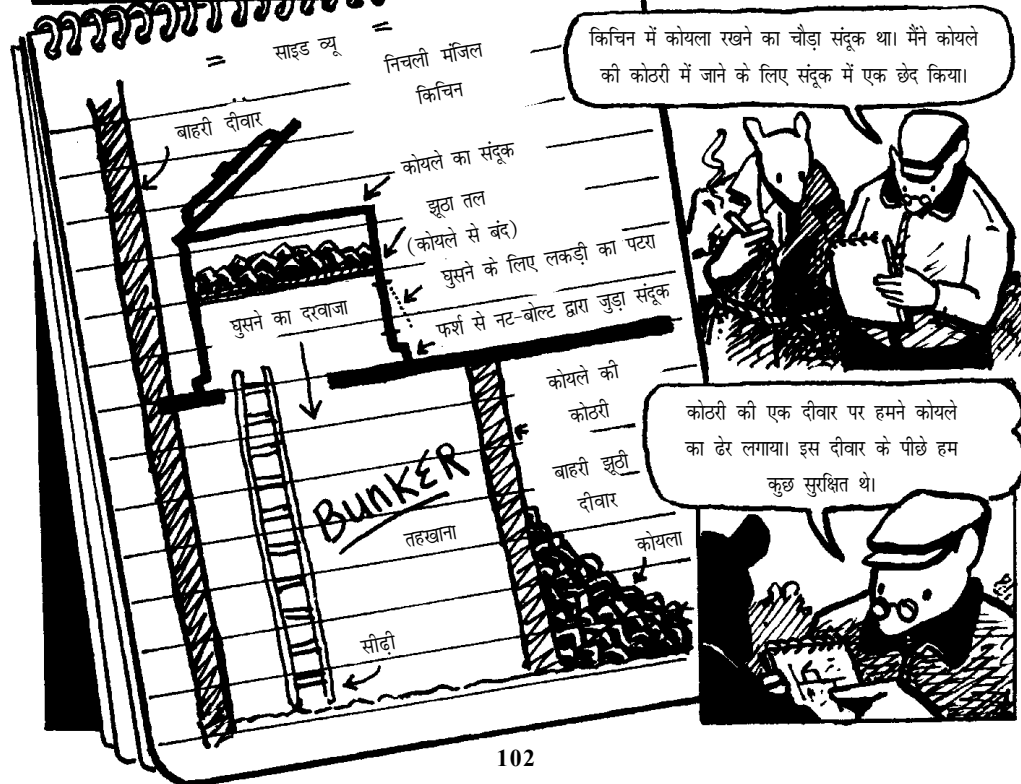
अंजा की माँ सच्चाई को नहीं देख रही थीं। अंत में वो भी मान गयीं।





रिचू को झाविरसी भेजने के कुछ महीनों बाद जर्मन पुलिस ने उस बस्ती का खात्मा करने का निर्णय लिया।







उस तहखाने में बहुत कीड़े थे।



हम लोग मेरे बनाए इस सुरक्षित तहखाने में बचे रहे। पर जिन लोगों के पास छिपने की जगह नहीं थे वे जर्मन पुलिस का शिकार बने।



एक रात हम भोजन के लिए बाहर निकले...



हम उसे खींचकर अपने तहखाने में ले आए।



मेरा और मेरी पत्नी का भूख से तड़पता बच्चा है।
मैं खाने की जुगाड़ में निकला था!



वो झूठा है!

कोई जासूस हो सकता है। सुरक्षा इसी
में है कि हम उसे मार डालें!



हमने क्या किया? तरस खाया।

सुबह हमने उसे कुछ खाना देकर अपने घर वापिस जाने दिया...



दोपहर को जेस्टापो आ पहुंची।





अगले दिन दो लड़कियां खाना लेकर आयीं। उनके साथ यहूदी पुलिस का प्रमुख हैस्कल भी था।



(देखो क्लाडेक, मैं तुम्हें, तुम्हारी पत्नी और भांजे को यहां से बाहर निकाल सकता हूं। परन्तु तुम्हारे सास-ससुर बहुत बूढ़े हैं। उनके लिए मुश्किल होगा।)

शुक्रिया! हम भी तुम्हें खुश करेंगे।

उसने लड़कियों को किचिन में वापिस भेजा।



जल्दी से इसे पकड़ो और मेरे साथ बाहर आओ।

खिड़की से हमने लोलेक को बाहर जाते देखा।



वाह! क्लाडेक...



तुम मुझे और मटका को भी यहां से बाहर निकालो। अपने चचेरे भाई को यह सोने की घड़ी और यह हीरा दे दो!

मैं जो हो सकूंगा करूंगा।

अगले दिन मैं और अंजा चौकीदारों के सामने से खाली बाल्टियां लेकर बाहर गए।



हैस्कल ने मुझ से ससुर की बहुमूल्य वस्तुएं ले लीं, परन्तु उसने उनकी मदद नहीं की।



बुधवार को टुक आए। मैंने और अंजा ने उसके पिता को खिड़की के पास देखा। वो अपने बाल नोच रहे थे और रो रहे थे।

करोड़पति होने के बाद भी उनकी जिंदगी नहीं बच पाई।





मिलोच - देखो क्लाडेक का
पूरा ध्यान रखना।

ठीक है।



तुम बेन से जर्मन सिपाहियों के जूतों
की मरम्मत करना सीख सकते हो।

हैस्कल के दो भाई थे - पीसाच और मिलोच। पीसाच भी चालाक और चोर था।

परन्तु मिलोच एक भला इंसान था।



तुम इस मेज पर काम कर सकते हो।



तुम्हें यहां हर समय काम करने की जरूरत नहीं। पर जब कभी भी जर्मन
कमिश्नर मुआयना करने आए तो अपने काम में व्यस्त हो जाना।



मुझे समय-समय पर बस्ती के
और भी काम करने होते हैं।



हां? मुझे कुछ याद आ रहा है...



तुम्हें वो जासूस याद है जिसने हमारे
तहखाने का ठिकाना बताया?



मैंने आज उसे दफन किया...

यही वो चूहा है जिसने मेरे परिवार को
जिस्टैपो के हवाले किया।

उसे गोली लगी!



हैस्कल ने उसे मरवाने का इंतजाम किया।

अगर वो मरा है तो उसकी
आंखें क्यों खुली हैं?

जिंदा रहने की
कोशिश में।

इतिफाक से उसे दफनाने का काम मुझे मिला। ।

हैस्कल अभी जिंदा है और पोलैंड में एक पोलिश महिला के साथ रहता है। एक जज ने उसे छिपा कर रखा। बचाओ!



मेरा हृदय - आर्टी! जल्दी! मेरी जेब में से नाईट्रोस्टैट की गोली निकालो।



लीजिए - ठीक तो है?

हां!



मैं जल्द ठीक हो जाऊंगा! सांस सामान्य होने में बस एक मिनट लगेगा।



चलें, उस सीढ़ी पर बैठें।

आप बस आराम करें, बोलें नहीं।

शायद मैं बहुत तेजी से चला!



शुक्र है नाईट्रोस्टैट से मैं फौरन ठीक हो गया! मैं क्या कह रहा था?

अब आपकी तबियत तो ठीक है?



आप बता रहे थे कि हैस्कल युद्ध के बाद जीवित रहा।

कुछ साल पहले तक मैं उसे पैकेट भेजता रहता था।



उपहार? तोहफे?

वो तो चोर-उचक्का था!

मुझे पता नहीं, फिर भी मैं उसे भेजता था।



एक बार मैं बस्ती में अकेले घूम रहा था...



रुको, यहूदी!



मुझे पहचान-पत्र दिखाओ - मैं तुम्हारी खोपड़ी उड़ा दूंगा।



अच्छा तुम प्रतिष्ठित स्पीगिलमैन परिवार के हो। अच्छा जाओ और हैस्कल को मेरा सलाम कहना।

... हैस्कल के इस तरह के दोस्त थे।

मैंने हैस्कल और मिलोच को बाद में इसके बारे में बताया।



पिसाच के पास का कुछ आटा असल में साबुन का पाऊंडर था।

वो भी गलती से केक में पड़ गया!

बीमारी में हमारी हालत कुत्तों जैसी हो गई थी।

युद्ध से पहले जाकोपेन में पिसाच का एक होटल था।

तब भी वो ऐसी ही
खुराफातें करता था।



सभी मेहमानों को भारी मात्रा में पोलिश टैक्स देना पड़ता था।
पिसाच उनका रजिस्ट्रेशन न करने की घूस लेता था। पर इंस्पेक्टर
के आने पर मेहमानों को कहीं छिपना पड़ता था।



एक बार उसकी पत्नी ने पर्याप्त मात्रा में मिठाई नहीं
बनाई। तब पिसाच भोजनकक्ष में जाकर चिल्लाया,
“इंस्पेक्टर आ रहे हैं!”



असल में कोई इंस्पेक्टर नहीं था। 40 प्रतिशत मेहमान भाग गए।
पिसाच के पास अगले दिन के लिए
भी मिठाई बच गई!



क्या आप
दुबारा चलने
को तैयार हैं?

हां, बैठना गंदा है! मैंने अगर अभी
नाईट्रोस्टैट नहीं खाई होती तो बहुत
बुरा हो सकता था।



मिलोच स्पीगिलमैन अपनी पत्नी और बच्चे के साथ युद्ध
के बाद ऑस्ट्रेलिया चला गया। पांच साल पहले उसे दिल
का दौरा पड़ा...



पिछले साल उसे सड़क पर मेरे जैसा ही दिल का दौरा पड़ा।
पर उसके पास गोली नहीं थी। इससे पहले कि उसकी पत्नी
दवा लेती मिलोच
मर चुका था!



इसी का नाम जिंदगी है।

बैंक पहुंचने से पहले मुझे जल्दी से तुम्हें सोझूला
के बारे में बाकी सब कुछ बताना चाहिए।



1943 के बाद हर बुधवार को ट्रक यहूदियों को झोडूला से औशविग ले जाते। अंत में बहुत कम लोग ही बचे।



व्लाडेक, हमारी बारी जल्द आएगी?

ऐसा मत सोचो, मिलोच।

हैस्कल को खबर मिली कि अब किसी भी दिन बाकी लोगों को औशविग भेज दिया जाएगा।



मिलोच मुझे जूते की दुकान में ले गया।

बहुत सुबह थी और वहां कोई नहीं था।

हैस्कल ने बस्ती से निकल भागने की योजना बनाई। पिसाच और मैंने भी एक योजना बनाई...



उसने कुछ जूतों को ऊंचे ढेर में से हटाया...

... फिर मुझे वो एक सुरंग में ले गया...

अंजा और लोलेक के अलावा इसके बारे में किसी और को नहीं बताना।



... जूतों की बनी सुरंग!

वहां से हम एक तहखाने में पहुंचे...

उन्हें क्षण भर के नोटिस पर लाने के लिए तैयार रहना!

वाह!



वहां सब तैयारी थी। 15-16 लोग आसानी से छिप सकते थे।

पर जब मैंने और अंजा ने इस तहखाने के बारे में लोलोक से चर्चा की...



लोलोक कम उम्र का था और भोला था।



अंजा अपना मानसिक नियंत्रण खो बैठी।



मिलोच के बताए अनुसार बस्ती खत्म हो गई। हम 12 लोग मिलोच, उसकी पत्नी और तीन वर्ष का लड़का उसके तहखाने में जाकर छिपे।





अगले दिन तड़के ही वो ग्रुप वहां से निकल पड़ा।

मैं चुपके से एक कोने में खड़ा देखा रहा। फिर बंदूकों के चलने की आवाज आई। पर मैं बाहर देखने नहीं गया...



हम में से कुछ ही लोग बचे।

सुबह होने से पहले ही हम झोड़ला से निकले...



काम पर जाते पोलिश लोगों के बीच हम मिल गए।



औरम की महिला मित्र किसी दोस्त के घर गई।



अंजा और मेरे लिए जाने को कोई जगह न थी।







अध्याय छह

चूहेदानी



पिताजी के पास एक और चक्कर...







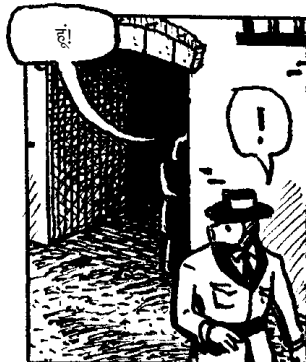
















फिर हम कावका की
गाय के साथ रहने लगे।

सुबह होने वाल है। मिसस कावका अपनी गाय का दूध
निकालने आएंगी। तब वो तुम्हारे लिए कुछ कॉफी लाएंगी।

तुम कहाँ जा रहे हो?

डेकार्टा।

मुझे अकेला छोड़कर मत
जाओ। मुझे बहुत डर
लगता है।



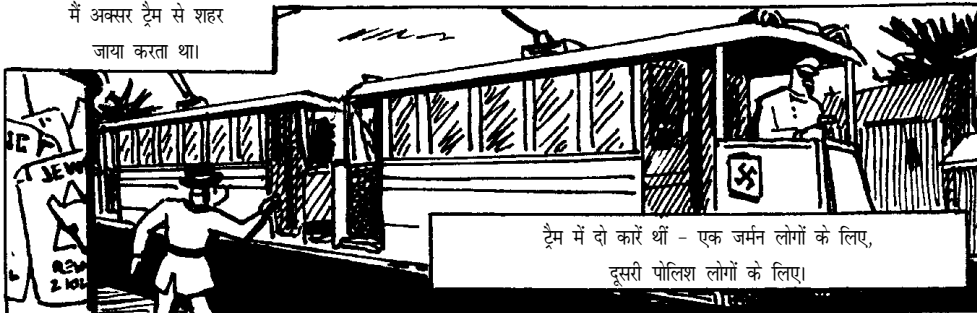
फिक्र मत करो अंजा! मैं सुरक्षित रहूँगा। अगर मैं बाहर नहीं
जाऊँगा तो खाना कहाँ से आएगा। फिर यह जगह भी हमसे
छिन जाएगी।



हमें सौस्नोविक से दूर
सर्दियों के लिए एक गर्म
जगह खोजनी है...

मैं ठीक-ठाक जल्दी लौटूँगा।

मैं अक्सर ट्रेम से शहर
जाया करता था।



ट्रेम में दो कारें थीं - एक जर्मन लोगों के लिए,
दूसरी पोलिश लोगों के लिए।

मैं सीधा जर्मन आफीसर्स
वाली कार में घुसता था।

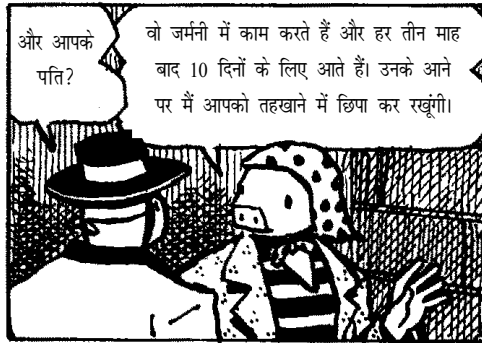


हेल, हिटलर!

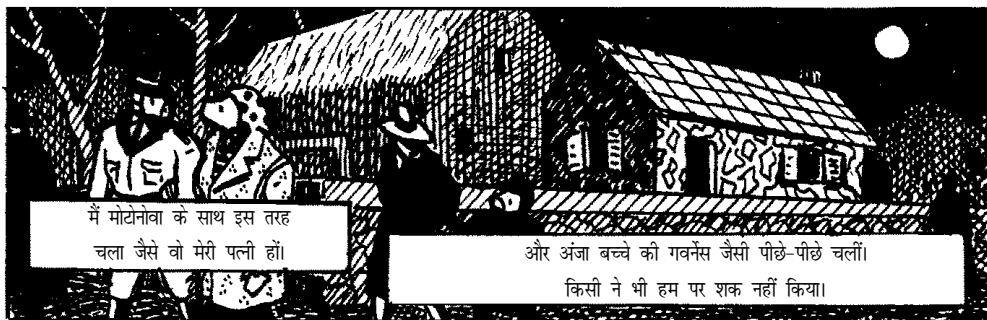


जर्मन मेरी ओर कोई ध्यान नहीं देते थे। पोलिश लोगों वाली
कार में वो यहूदियों को आसानी से ढूँढ़ सकते थे।

ब्लैक-मार्केट में मुझे एक अच्छी महिला दिखाई दी। उससे मेरी थोड़ी दोस्ती भी हो गई ...



अगली शाम वो अपने 7 साल के पुत्र के साथ कावका के फार्म पर आयीं ...



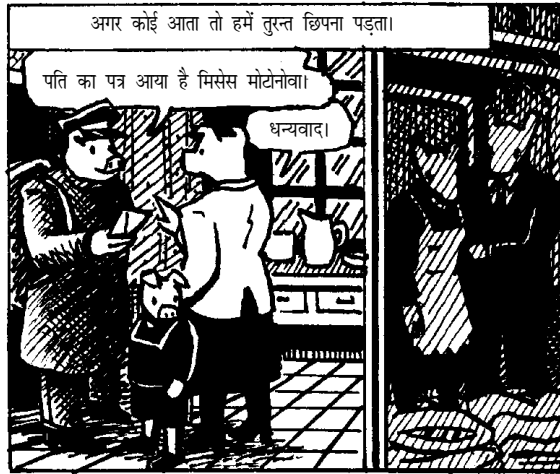
हमें यहां कुछ आराम मिला।



स्कूल में लड़का जर्मन में बहुत कमजोर था।
अंजा ने उसे पढ़ाया।



पर वहां कुछ चीजें अच्छी नहीं थीं। घर बहुत छोटा था और वो ग्राउंड फ्लोर पर था।



सब ठीक-ठाक था। एक शनिवार को मोटोनोवा ब्लैक मार्केट से जल्दी वापिस लौटी।





फिर दिन हुआ...



कुछ देर बाद कावका आई।



वो अंजा को घर ले गयीं और मेरे लिए कुछ खाना लायीं। उन दिनों मैं इतना ताकतवर था कि पूरी रात भर बाहर स्नो में बैठा रह सकता था।



दो लोग उन्हें हंगरी में स्मगिल करके ले गए। मैंने सुना है वो आदमी और उसका लड़का वहां खुश हैं।





अगले दिन मैं डेकार्ट स्ट्रीट पर खाना खरीदने गया।



पर हमारे आने के कुछ ही दिनों बाद...



अगर उन्हें पता चला तो वो हम सबको यहां से बाहर फेंक देंगे। परन्तु तब आप मेरे तहखाने में सुरक्षित रहेंगे।



हम दिन-रात जैसे एक अल्मारी में बंद रहे।



रात को हम कुछ चल-फिर भी सकते थे। परन्तु वहां बहुत सारे...



वहां बहुत सारे चूहे थे!



वो चूहे नहीं छोटी चुहिए हैं। एक अभी मेरे हाथ पर से गुजरी है। वे चुहिए हैं!



फिर मोटेनोवा ने नीचे आना ही बंद कर दिया।

तीन दिनों से वो खाना नहीं लाई है। एक और गोली चूसो...

डेकार्ट में मैंने बहुत मिठाई की गोलियां खरीदी थी।
खाने को बस वही बची थीं।

वहां नहाने की कोई जगह नहीं थी।
अंजा के पूरे शरीर में फुसियां हो गयीं।

मालूम नहीं ज्यादा भयानक क्या है -
खुजली या भूख!

खुजलाओ नहीं!
चुप!

दरवाजा!

CLIK

पहले न आने के लिए माफी चाहती हूं।
मेरे पति को शक हो रहा है।

पूछते हैं: मैं तहखाने में बार-बार क्यों जाती हूं? क्या मैंने यहूदियों
को छिपा रखा है। वो मजाक कर रहे थे, फिर भी...

क्या आप यहां
ठीक-ठाक हैं?

यहां बड़े, मोटे-तगड़े चूहे हैं।

ये चूहे फिर भी जिस्टैपो से तो बेहतर हैं।
कम-से-कम चूहे आपको जान से तो नहीं मारेंगे!

हां!

वो ठीक कह रही थी। हम इस हालात में भी खुश थे।

दस दिनों बाद उसका पति चला
गया। हम फिर से घर में गए।

क्लाडेक! घर में
कितना अच्छा है!

उस तहखाने से तो
कहीं अच्छा है।

यहां पर भी हम सुरक्षित नहीं थे। हमें कोई
आसानी से ढूंढ सकता था। इसीलिए मैं हंगरी
जाना चाहता था।

इसलिए गुरुवार वाले दिन मैं ट्रेम में बैठकर कावका के घर जाने के लिए सौस्नोविक की ओर चला।



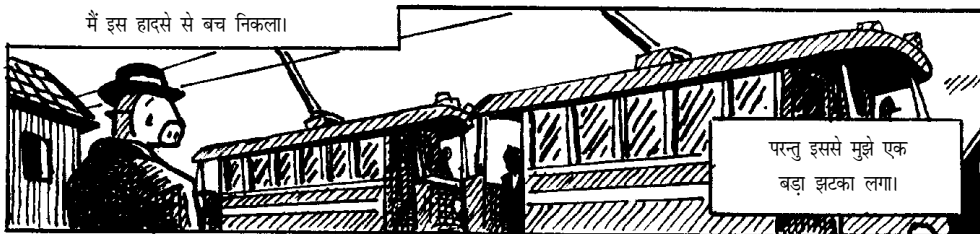
वे चिल्लाते हुए घर की ओर दौड़े।



मैं उनके पास गया ...



मैं इस हादसे से बच निकला।



जब मैं कावका के घर पहुंचा, तो दोनों स्मगलर किचिन में बैठे हुए थे।



अंजा और मैं वहां से पेस्ट्री खरीदते थे।
वो सौस्नोविक में काफी रईस थे।



युद्ध से पहले मैन्डिलबौम की मिठाई की दुकान थी।

जब मैं बस्ती में था तब एब्राहैम
यहूदी सभा में ऊंची पदवी पर था।



स्मगलरों ने हमें अपनी पूरी स्कीम बताई।



सुनो, मैं पहले जाऊंगा। अगर सब ठीक रहा तो मैं आपको पत्र लिखूंगा।



हमने यिडिश में बात की जिससे स्मगलर हमारी बातें न समझें।



मैंने मैन्डिलबौम से दुबारा मीटिंग तय की।
अगर कुशलता का पत्र आया तो हम भी जाएंगे।

पर जब भी मैं इस योजना के बारे में माला को बताता ...



मिलोच ने मेरी सोझूला में मदद की थी। अब शायद मैं उसकी कुछ सहायता कर पाऊं।





कुछ दिनों बाद मैं
दुबारा स्मगलरों से
मिलने आया।
मैनडिलबौम भी
वहाँ था।



पत्र यिडिश में लिखा
था और उस पर एब्राहैम
के ही हस्ताक्षर थे।
इसलिए हमने तत्काल
हंगरी जाना पक्का
किया।

पर अंजा का जाने का बिल्कुल दिल न था...



मैं एक बार फिर मिलोच से मिला और
मैंने उसे अपने वर्तमान छिपने के स्थान
पर पहुंचने के निर्देश बताए।



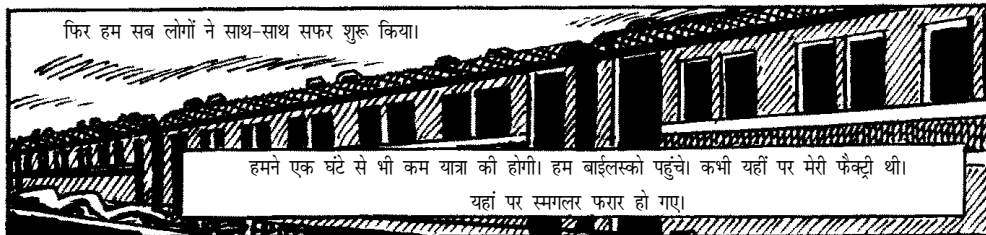
सुनो, मिलोच उसकी पत्नी और
लड़का पूरे युद्ध के दौरान मिसेस
मोटोनोवा के साथ सुरक्षित रहे।

परंतु अंजा और मेरे नसीब में कुछ और ही लिखा था।



हम लोग आराम से ट्रेम में बैठ कर मिलने
वाले स्थान पर पहुंचे। वहाँ हमें मैनडिलबौम
और स्मगलर मिले।

सब प्रबंध हो गया है।
यह रहे आपके टिकट।



यात्रा के दौरान मेरे पास एक छोटा
थैला था। रजिस्ट्रेशन के समय उन्होंने
उसकी अच्छी तरह तलाशी ली।



जूते की पॉलिश!
यह क्या है?

हां! मैं अपने जूतों
को साफ रखता हूं।

एक चम्मच से उसने थोड़ी-थोड़ी
करके पूरी पॉलिश निकाली।



वाह! सोने की घड़ी! तुम यहूदियों
के पास हमेशा सोना होता है!

मैंने उसे एक पत्नी में छिपा कर
रखा था। वो मेरा अंतिम जेवर था।

यह वो घड़ी थी जिसे अंजा से शादी
के समय ससुरजी ने मुझे दी थी।



खैर छोड़ो। उन्होंने घड़ी रखी और मुझे
मैनडिलबौम के साथ कैद में डाल दिया।

जरा रुकिए!
एब्राहम का क्या हुआ?

कौन?

अच्छा मैनडिलबौम के भांजा! वो भी हम
लोगों जैसे ही कांस्ट्रेशन कैम्प में पहुंचा।

उसकी आपबीती मैं तुम्हें बाद में बताऊंगा।
अब मैं तुम्हें जेल की बातें बता रहा हूं।



वहां हमें खाने को बहुत कम - दिन में सिर्फ एक बार सूप मिलता
था। दिन भर बिना किसी काम के हम खाली बैठे रहते थे।



बाकी लोगों जैसे वो हमें काम पर
क्यों नहीं लगाते?

यानी तुम यहां कुछ हो
दिनों के मेहमान हो...



... हर हफ्ते कैदियों को लेने
एक ट्रक आता है।

क्या तुम में से किसी
को जर्मन भाषा आती है?

मेरे परिवार ने एक खाने का पार्सल भेजा है। जवाब मिलने पर
वो और भेजेंगे। पर हम सिर्फ जर्मन में ही पत्र लिख सकते हैं।



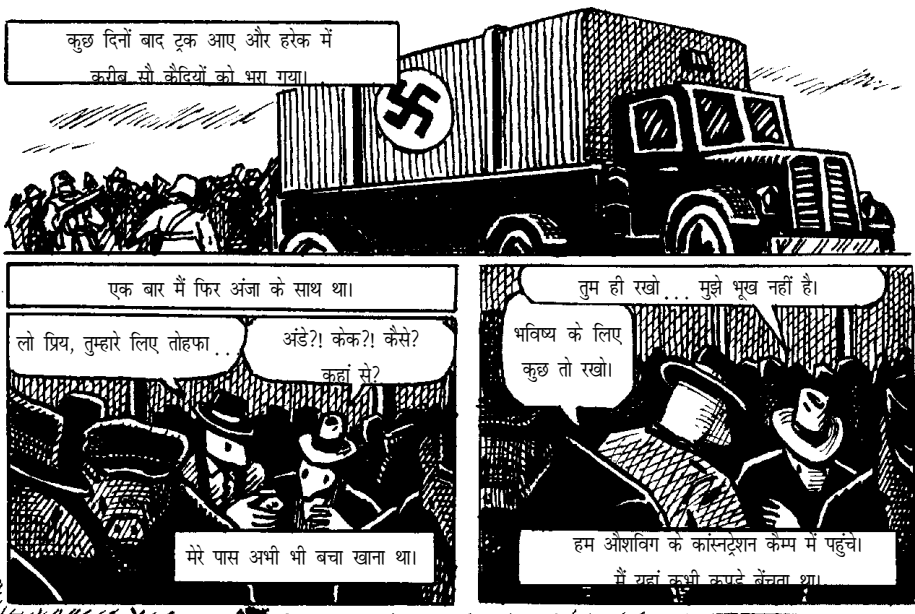
मैं जर्मन अच्छी तरह लिख सकता
हूँ... मैंने पत्र लिखा...

कुछ समय बाद उसे खाने का दूसरा पार्सल मिला...



तुमने गजब का काम किया! इसमें से जो चाहे ले लो
- खुद के लिए और अपने दोस्तों के लिए!

उसमें अंडे थे और चॉकलेट भी थीं। यह सब पाकर मैं बहुत खुश हुआ!





हे भगवान!

हां, ऐसा ही था।



ट्रक को खोलने के बाद उन्होंने आदमियों को एक तरफ और औरतों को दूसरी ओर ढकेला ..



अंजा और मैं अलग-अलग दिशाओं में गए। हमें नहीं पता था कि हम अब एक-दूसरे को कभी जिंदा देखेंगे।



यहां पर मां की डायरियां बहुत फायदेमंद होंगी। उन पर अकेले में क्या गुजरी होगी, इसका मुझे उनकी डायरियों से कुछ पता चलेगा।

अंजा की हालत भी मेरे जैसे ही बहुत खराब थी!



अब ठंड हो रही है। हम ऊपर चलें और वहां पर मां की डायरियों को ढूँढने की कोशिश करें...

नहीं, मैंने उन्हें खोजा है।



... वो अब कभी नहीं मिलेंगे!

तो फिर गैरिज में जाकर देखें। आपने कहा था कि वहां बहुत सा कबाड़ पड़ा है।



नहीं वो डायरियां तुम्हें नहीं मिलेंगी। क्योंकि मुझे अब याद आ रहा है...



एक दिन अपनी गहरी उदासी में मैंने तुम्हारी मां की डायरियों को और उसकी अन्य वस्तुओं को जला डाला था।

क्या?

